

मेंट के अफसर होते हैं और सभी देशों का ऐसा ही नियम है। बल्कि माननीय सदस्य अगर उस रिपोर्ट को देखें, जो ब्रिटिश-फौरन सर्विस ने कुछ महीने हुए निकाली है; उस में उन्होंने कहा है कि इस तरह की जितनी बाहर के मिशनों की सर्विसें हैं, उन सब जगहों को फौरन-सर्विस के लोगों से ही मैन करना चाहिये। इस लिये मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह जरूरी नहीं है कि व्यापारियों को हम वहां रखें, वहां पर हमारे व्यापार को बढ़ाने के लिये हमारे कर्मचारी भी मदद कर सकते हैं।

**श्री शिव चन्द्र झा :** क्या इधर हाल में कोई इंडियन ट्रेड मिशन फर्टीलाइजर खरीदने के लिये जापान गया था ? यदि गया था, तो उस ने कौन-सा एग्रीमेंट किया है, किन शर्तों पर कितना फर्टीलाइजर खरीदा जायेगा और उस पर कितना फॉरन एक्सचेंज खर्च होगा।

**श्री दिनेश सिंह :** जहां तक खाद का सवाल है, हमारी तरफ से कोई ट्रेड मिशन वहां गया हो—ऐसी कोई मूचना मेरे पास नहीं है। यदि खाद्य मंत्रालय या पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से गया हो, तो मुझे पता लगाना पड़ेगा।

**SHRI D. C. SHARMA :** Sir, I am very happy to hear that we are having very good trade with the East European countries which are Communist countries. May I ask the hon. Deputy Minister whether any attempt has been made to export goods other than primary goods, semi-processed goods and traditional goods to the West European democracies like England, France and other countries ?

**SHRI MOHD. SHAFI QURESHI :** We have made efforts to shift from the traditional to non-traditional exports, and I can inform this House that against global tenders we have been successful in achieving certain very good results. We have succeeded in getting orders for

non-traditional goods from West European countries also.

**श्री श्रीचन्द्र गोयल :** हमारे यहां से जो ट्रेड मिशन विदेशों में जाते रहे हैं, उनकी असफलता आज एक मानी हुई बात है। मैं यह पूछना चाहता हूँ कि दिल्ली के अन्दर पिछले लगभग महीने डेढ़ महीने से जो बहुत बड़ा सम्मेलन "अनटाड" के नाम से चल रहा है, क्या उसका लाभ उठा कर किसी प्रकार के ट्रेड एग्रीमेंट्स दूसरे देशों के साथ किये गये हैं। वजाय इस के कि हमारे मिशनज वहां जा कर प्रयत्न करें, इस अवसर का हम ने क्या लाभ उठाया है, कितने ट्रेड एग्रीमेंट्स भारत के हित में किये हैं इन विदेशों से आये हुए व्यापारियों के साथ ?

**श्री दिनेश सिंह :** आप जानते हैं कि अभी वह सम्मेलन चल रहा है, उस से क्या फायदा होगा, इस के लिये मैं अनुरोध करूंगा कि सम्मेलन के खत्म होने तक प्रतीक्षा करें। जो भी फायदा होगा, वह सदन के सामने आ जायेगा।

जहां तक ट्रेड एग्रीमेंट्स का सवाल है, कुछ देशों के साथ, जिनके प्रतिनिधि यहां पर आये हुए हैं, हमारी बातचीत चल रही थी और उस के फलस्वरूप कुछ ट्रेड एग्रीमेंट्स पर दस्तखत हुए हैं।

#### WORKING OF STEEL PLANTS AT ROURKELA, BHILAI AND DURGAPUR

\*424. **SHRI SITARAM KESRI :** Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Steel Plant at Bhilai had incurred a huge loss during the year 1966-67 and if so, the amount thereof;

(b) whether the Steel Plants at Rourkela and Durgapur also incurred loss during the above period;

(c) whether working of these Plants will not affect the repayment of loans; and

(d) whether the causes for the loss have been examined and if so, the steps taken in the matter ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI RAM SEWAK) :** (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-341/68].

**श्री सीताराम केसरी :** अध्यक्ष महोदय, भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर में 1966-67 में बहुत बड़ी हानियां हुई हैं। मंत्री महोदय के कहने के मुताबिक भिलाई में 1 करोड़ 70 लाख रुपये, राउरकेला में 1 करोड़ 90 लाख रुपये और दुर्गापुर में 13 करोड़ 10 लाख रुपये की हानि हुई—राज्य के अन्तर्गत इतने बड़े एम्ब्रोशस प्लांट प्रोजेक्ट्स में इतनी भयंकर हानि हुई। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इतनी बड़ी हानि होने के पहले फोरसी किया था ? यदि फोरसी नहीं किया तो इसकी जिम्मेदारी किन-किन अधिकारियों पर आपने लगाई, या उसकी छानबीन करने के लिये आपने कोई उपाय या योजना एडॉप्ट की या नहीं ?

**इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (श्री डा० चन्ना रेड्डी) :** अध्यक्ष महोदय, इन तीनों प्लांट्स में जो हानि होती जा रही है, इन में सब से पहला कारण पूरी कैपेसिटी को यूटिलाइज न करने का है, इन-बिल्ट कैपेसिटी आइडल रहती है, यह एक्सेप्टेड बात है। अलवत्ता कुछ ऐसे फैक्ट्स भी आये हैं, जिसमें मेनटेनेन्स बगैरह की वजह से—जैसे दुर्गापुर में मेनटेनेन्स न करने की वजह से, लेबर ट्रबल की वजह से, इन्क्विपमेंट में खराबी की वजह से भी नुकसान हुआ है। एक बात मैं अज्र करना चाहता हूँ—हाउस में नुकसानात के बारे में काफी दिलचस्पी दिखाई दे रही है—इस लिये मैं वायदा करना चाहता हूँ कि एक लम्बा-पेपर तफसील के साथ हाउस की टेबिल पर रखूंगा और उसके बाद अगर आप इजाजत देंगे तो एक

घण्टे की बहस के लिये आपसे खुद दरबवास्त करूंगा।

**श्री सीताराम केसरी :** अभी मंत्री महोदय ने बताया कि लेबर के कारण भी ऐसा हुआ है। दुर्गापुर में जो लेबर डिस्पूट हुआ और भिलाई में अक्सर होता है, क्या आपके पास कोई ऐसी योजना थी कि जिसके अन्तर्गत वहां पर लेबर को या एम्पलाइज को अनुशासित रखने के लिये आप किसी मिलिट्री मैन को एप्वाइन्ट करना चाहते थे तथा आपने उनको आफर किया और उन्होंने रिफ्यूज किया ?

**डा० चन्ना रेड्डी :** इस में दो बातें हैं—एक तो लेबर मिचुएशन से ताल्लुक रखती है, इसके लिये आल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के लेबर लीडर्स से मिनिस्ट्री के साथ हमारे लेबर मिनिस्टर और मैं बात कर रहे हैं और एक ही यूनिशन रिकगनाइज करने की दृष्टि से कोई बेसिज बनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक आनरेबिल मेम्बर ने एक प्राइवेट बिल भी इन्ट्रोड्यूड किया है, मैं उसको भी खुश-आमदीद करता हूँ।

जहां तक लेबर के लिये कोई मिलिट्री अफसर एप्वाइन्ट करने की बात है, जैसे तमाम डिपार्टमेंट्स में कुछ एक्सपीरिन्सड लोगों को लेते हैं, उसी तरह से यहां लेते हैं, इसका लेबर से कोई ताल्लुक नहीं है।

**MR. SPEAKER :** The Minister says that he will give more details. Then, he is himself offering a one-hour discussion. Therefore, if all of you permit, I would like to go to the next question.

**SHRI JYORTIRMOY BASU:** Durgapur plant is losing lakhs of rupees.

**MR. SPEAKER :** How they are losing, why they are losing, all those aspects can be considered when that discussion comes. Now, let me pass on to the next question.